टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED
(अनुसूची 'ए', मिनी रत्न पीएसयू)
(Schedule 'A', Mini Ratna PSU)

Great Place To Work. Certified

गंगावतरणम
GANGAVATARANAM

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की गृह पत्रिका

38वाँ स्थापना दिवस विशेषांक

विद्युत उत्पादन हमारी कटिबद्धता...
समाज का विकास हमारी प्रतिबद्धता...

जुलाई, 2025

Generating Power...Transmitting Prosperity...

मुख्य संरक्षक
श्री आर. के. विश्नोई
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

संरक्षक
श्री शैलेन्द्र सिंह
निदेशक (कार्मिक)

संपादक
डॉ. ए. एन. त्रिपाठी
मुख्य महाप्रबंधक
(मा. सं. एवं प्रशा. एवं जनसंपर्क)

उप संपादक
डॉ. काजल परमार
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

विशिष्ट सहयोग
श्री पंकज कुमार शर्मा
उप प्रबंधक (राजभाषा)

सहायक संपादक
श्री ईशान भूषण
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

समन्वयक

टिहरी
श्री मनबीर सिंह नेगी
प्रबंधक (जनसंपर्क)

कोटेश्वर
श्री आर. डी. मंमगाई
प्रबंधक (जनसंपर्क)

कौशांबी
श्री के. सूर्या मौली
सहायक प्रबंधक (मा.सं एवं प्रशा.)

खुर्जा
श्री प्रभात कुमार
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

पीपलकोटी
श्री यतवीर सिंह चौहान, प्रबंधक (जनसंपर्क)
व **श्री अविनाश कुमार**
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

ऋषिकेश
श्री अभिषेक तिवारी
जनसंपर्क अधिकारी

CONTENTS

1. CMD's Message ——— 3.

2. COD process of 2nd Unit of Tehri PSP by Secretary Power, Govt. of India ——— 5.

3. CMD visited KSTPP & Plantation drive organized at Tehri project site ——— 6.

4. THDCIL's HRD center awarded with 'Centre of Excellence' certification ——— 7.

5. THDC signed MoU with Balmer Lawrie & Co. Ltd. ——— 8.

6. THDCIL Raised ₹600 Cr via Bonds at 7.45% Coupon & THDC-IKCA players awarded at Tehri ——— 9.

7. THDC signed PPAs for 1200 MW Kalai-II HEP ——— 10.

8. 38th Foundation Day celebrated with enthusiasm ——— 11.

9. Review meeting for the National Commission of SC, GOI ——— 12.

10.Winners of Award and Reward Scheme 2025 ——— 13.

11. Vigilance deptt, KSTPP organized a workshop & BOCW Act registration camp at KSTPP ——— 17.

12. Building Resilience in the Hills: Symposium Showcases Advanced Geotechnical Techniques ——— 18.

13. Safety Awareness Campaign at KSTPP & Health Talk workshop at KSTPP ——— 19.

14. Ladies Club ——— 20.

15. EFWS launched at VPHEP & Sports Competition organized at VPHEP ——— 21.

15. Mock Drill organized at VPHEP ——— 22.

16. Beyond the desk ——— 23.

17. Retirements ——— 24.

संघर्ष जितना बड़ा होगा, जीत उतनी ही शानदार होगी।
The greater the struggle, the more glorious the victory.

38वें स्थापना दिवस पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश

टीएचडीसी परिवार के मेरे प्रिय सदस्यों, देवियों और प्यारे बच्चों,

सर्वप्रथम मैं टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के गौरवशाली 38वें स्थापना दिवस के पावन अवसर पर आप सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं संप्रेषित करता हूं। यह दिन टीएचडीसी की स्थापना का केवल एक मात्र दिन नहीं है, अपितु यह उन आदर्शों, सिद्धांतों और अथक परिश्रम से प्राप्त हुई उपलब्धियों का उत्सव मनाने का दिन भी है जिन्हें हमने अपने जीवन में अपनाया और जिन्होंने इस संगठन को ऊर्जा क्षेत्र में बहुत प्रतिष्ठित स्थान पर पहुंचाया है।

वर्ष 1988 में टिहरी हाइड्रो पॉवर कॉम्प्लेक्स के निर्माण, प्रचालन एवं अनुरक्षण के एक मात्र उद्देश्य के साथ निगम ने अपनी यात्रा प्रारंभ की और आज यह 2747 मेगावाट की संस्थापित क्षमता के साथ ऊर्जा के विविध स्रोतों से ऊर्जा उत्पादन में अपनी प्रभावी उपस्थिति दर्ज कर रहा है। राष्ट्र निर्माण में उल्लेखनीय योगदान देते हुए निगम की यह यात्रा प्रेरणादायक गाथा बन चुकी है। यह सफलता केवल ईंट, पत्थर व सीमेंट की संरचनाओं की नहीं, अपितु उन समर्पित कर्मयोगियों की है, जिन्होंने अपने ज्ञान, कौशल व निष्ठा से इस संगठन को ऊंचाइयों तक पहुंचाया है।

"**कर्तव्यमेव परमं तपः।**" अर्थात कर्तव्यनिष्ठ कर्मियों का परिश्रम ही किसी भी संगठन की वास्तविक संपदा होता है, और यही उस संगठन को साधारण से उत्कृष्ट संगठन बनने की ओर अग्रसर करता है।

इस दिन को और अधिक विशेष बनाते हुए हमारे मध्य निगम के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री डी.वी.सिंह साहब आज यहां उपस्थित हैं। सर आपकी गरिमामयी उपस्थिति और आपका सानिध्य हमें अभिभावक के रूप में प्रेरित करता है। जिस प्रकार एक वटवृक्ष अपने सानिध्य में सभी को छाया देता है और शीतलता प्रदान करता है, उसी प्रकार आज हम आपका सानिध्य पाकर अभिभूत हो रहे हैं।

साथियो, बीते 37 वर्ष हमारे लिए अनेक गौरवशाली क्षण लेकर आए। इस कालखंड में हमने अनेक उपलब्धियां अर्जित की और अपनी यशस्वी यात्रा जारी रखी। हम हर वर्ष अपने दृढ़ परिश्रम से न केवल अपने लक्ष्यों की ओर अग्रसर हुए हैं, अपितु उन्हें नवीन ऊंचाइयों तक पहुंचाने में सामर्थ्यवान एवं सक्षम हुए हैं।

पिछले स्थापना दिवस से इस स्थापना दिवस का समय हमारे लिए उपलब्धियों की दृष्टि से अत्यंत फलदायक रहा। टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने देश की प्रथम वेरिएबल स्पीड पंप स्टोरेज परियोजना (1000 मेगावाट) की 250-250 मेगवाट की प्रथम और द्वितीय यूनिटों की सीओडी की प्रक्रिया सफलतापूर्वक प्रारंभ कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इससे ऊर्जा क्षेत्र में न केवल टीएचडीसी के यश एवं कीर्ति में वृद्धि है, अपितु भारत की पीएसपी की ऊर्जा यात्रा में एक स्वर्णिम अध्याय भी जुड़ा है।

अब वह दिन दूर नहीं, जब टिहरी पीएसपी की शेष दो यूनिट भी राष्ट्र को समर्पित कर दी जाएंगी, जिससे 2400 मेगावाट क्षमता के टिहरी पावर कॉम्प्लेक्स का स्वप्न साकार होगा। और यह राष्ट्र के प्रति हमारी सच्ची सेवा और साक्षात देशभक्ति का प्रमाण होगा |

जैसे कि आप सभी ने सुना ही है कि **"परिश्रम ही सफलता की जननी है।"**

इसी कड़ी में हमने 1320 मेगावाट की खुर्जा सुपर थर्मल पावर प्लांट की प्रथम यूनिट का सफलतापूर्वक वाणिज्यिक प्रचालन प्रारंभ कर दिया है, जो कि टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की तकनीकी उत्कृष्टता का प्रत्यक्ष प्रमाण है। निकट भविष्य में इस प्लांट की दूसरी यूनिट भी राष्ट्र को समर्पित करने का लक्ष्य है। इन दोनों परियोजनाओं ने टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड को न केवल एक नई पहचान दी है, बल्कि देश के ऊर्जा परिदृश्य में हमारी उपस्थिति को और भी सुदृढ़ किया है। इन परियोजनाओं में कार्य कर रहे मेरे साथी जो आज इस संदेश को लाइव सुन रहे हैं, वे विशेष बधाई एवं अभिनंदन के पात्र हैं।

हमारी अन्य परियोजनाओं पर भी तेज गति से कार्य चल रहा है। अमेलिया कोल माइन परियोजना में रेलवे साइडिंग का निर्माण कार्य प्रगति पर है। ईपीसी पैकेजेस का समयबद्ध निष्पादन किया जा रहा है। जिससे खुर्जा परियोजना को समयबद्ध तरीके से पर्याप्त मात्रा में कोयले की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। जून, 2025 तक अमेलिया कोयला खदान से 61 लाख टन कोयला निकाला गया है।

साथ ही, 444 मेगावाट की विष्णुगाड पीपलकोटी जलविद्युत परियोजना में भी तेजी से कार्य चल रहा है। जैसा कि आप सभी को मालूम ही है कि पिछले कई वर्षों से हम इस परियोजना में गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहे थे, परंतु पिछले कुछ समय से इस परियोजना में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है और मुझे आशा ही नहीं अपितु विश्वास है कि जल्द ही हम इस परियोजना की कमीशनिंग करने में सफल होंगे।

''आज भारत 'सम्भव है' की भावना से प्रेरित होकर असंभव को भी संभव करके दिखा रहा है। जब संकल्प पवित्र होता है और प्रयास प्रामाणिक, तो सफलता निश्चित होती है।'' जैसा कि हमारे माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी जी ने कहा है, ''देश तभी आगे बढ़ता है, जब उसका हर नागरिक जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ता है। यही सामूहिक प्रयास राष्ट्र निर्माण की असली नींव है।''

हाल ही में हमने टिहरी पंप स्टोरेज प्लांट से उत्पादित की जाने वाली 184.08 मेगावाट बिजली की आपूर्ति के लिए गुजरात सरकार व गुजरात ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन एवं विद्युत क्रय करार पर हस्ताक्षर किए हैं। यह हमारे अभिनव प्रयासों और सतत ऊर्जा समाधान की प्रतिबद्धता का परिचायक है। टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की यह परियोजना हमारी प्रौद्योगिकीय कुशलता और पर्यावरण के प्रति हमारे उत्तरदायित्व की श्रेष्ठता को प्रदर्शित करती है। हमने विद्युत के क्षेत्र में अपनी प्रखरता प्राप्त करने के साथ-साथ अनेक उच्च स्तरीय अभियांत्रिकी समाधानों में भी अपनी विशेषज्ञता का प्रदर्शन किया है। इनमें विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण हिमालयी भूगर्भीय क्षेत्रों में ढलानों का स्थिरीकरण, भूस्खलन शमन और भू-तकनीकी परामर्श शामिल हैं। इसके अलावा, राष्ट्रीय विद्युत नीति के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता रखते हुए सभी को 24X7 किफायती, विश्वसनीय विद्युत प्रदान कराने के साथ ही हमने हमेशा समाज को लाभ पहुंचाने एवं जनसमुदाय के उत्थान और राष्ट्र की समग्र प्रगति में योगदान देने का प्रयास किया है।

यह हमारे लिए अत्यंत गर्व की बात है कि सितंबर, 2024 में टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने महाराष्ट्र सरकार के साथ छह पंप स्टोरेज परियोजनाओं (6,790 मेगावाट) के विकास के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इन छह परियोजनाओं में से चार परियोजनाएं वाणिज्यिक दृष्टि से व्यवहार्य पाई गई हैं, जिनमें से तीन की डीपीआर तैयार की जा रही है, जबकि चौथी परियोजना के लिए कार्य शीघ्र ही प्रारंभ होने वाला है। मुझे यह भी बताते हुए खुशी हो रही है कि अरुणाचल प्रदेश में हमारी 1200 मेगावाट की कलाई-II जल विद्युत परियोजना के लिए सीईए ने ₹13,760 करोड़ की परियोजना लागत तय की है । इस परियोजना के लिए सभी प्रमुख मंजूरियां और निवेश अनुमोदन अगस्त-सितंबर, 2025 तक प्राप्त होने की आशा है, जिससे तेजी से इस परियोजना पर निष्पादन का मार्ग प्रशस्त होगा।

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड अब केवल विद्युत उत्पादन करने वाला संस्थान ही नहीं रहा, बल्कि यह सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना से परिपूर्ण एक जनहितकारी संस्थान की भूमिका भी निभा रहा है। हम अपनी सीएसआर गतिविधियों जैसे ग्रामीण शिक्षा, स्वच्छता, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, आदि के माध्यम से समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वाह के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। हमारी सीएसआर की विभिन्न पहलों के अंतर्गत बनाए गए प्रशिक्षण संस्थान अब सामाजिक नवाचार का केंद्र बन गए हैं, जो तकनीकी प्रशिक्षण के साथ-साथ सामाजिक समावेशन और सामुदायिक सशक्तिकरण की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

जैसा कि कहा गया है कि **''वृक्ष अपने फल से, व्यक्ति अपने कर्म से और संस्था अपने मूल्यों से पहचानी जाती है।''**

मुझे यह भी कहते हुए गर्व की अनुभूति हो रही है कि हमारे सभी कार्य हमारे संस्थान के मिशन, विज़न और मूल्यों के अनुरूप निष्पादित किए जा रहे हैं।

साथियों, यह 37 वर्षों की यात्रा सरल नहीं थी। इस यात्रा के दौरान अनेक उतार-चढ़ाव आए, प्रतिकूल परिस्थितियां उत्पन्न हुई और अनेक बार चुनौतीपूर्ण समय से भी सामना हुआ, परंतु हम सबने एकजुटता, अटल विश्वास और कर्तव्य निष्ठा के बल पर हर समस्या को अवसर में बदला। मुझे गर्व है कि टीएचडीसी के सभी अधिकारी, अभियंता व कर्मचारी देश की सर्वश्रेष्ठ मानवशक्ति में से एक हैं।

इस गौरवपूर्ण यात्रा में हमारे वरिष्ठ सहयोगी, जिन्होंने संस्थान की नींव रखने से लेकर उसे सशक्त बनाने तक की हर चुनौती का दृढ़ता के साथ सामना करते हुए हमारे पथप्रदर्शक के रूप में कार्य किया, वे विशेष रूप से हमारे लिए सम्मान के पात्र हैं। जो कर्मचारी सेवानिवृत्त हो चुके हैं, उन्होंने अपने श्रम, अनुभव और मार्गदर्शन से एक ऐसी कार्य संस्कृति का निर्माण किया है, जो आज भी हम सबको प्रेरित करती है। वहीं, हमारे वर्तमान कर्मचारी अपनी नवीन ऊर्जा और प्रतिबद्धता से इस विरासत को और आगे ले जा रहे हैं। यह संतुलन ही हमारी शक्ति है।

अब समय है भावी रणनीति निर्धारण का। हमें सतत विकास, नवाचार, पर्यावरणीय उत्तरदायित्व और सामाजिक समावेशन को अपनी कार्य संस्कृति में और अधिक गहराई से आत्मसात करना होगा। 38वां स्थापना दिवस केवल अतीत की गौरवगाथा का उत्सव नहीं, अपितु भविष्य के नव संकल्पों एवं दायित्वों की उद्घोषणा भी है।

आइए, इस शुभ अवसर पर हम यह संकल्प लें कि-

"निःस्वार्थं कर्म करोति सः कर्मयोगी।"

(अर्थात जो व्यक्ति निःस्वार्थ भाव से कार्य करता है, वही सच्चा कर्मयोगी है।)

हम अपने ज्ञान, मूल्यों और सामाजिक प्रतिबद्धता के साथ भारत को ऊर्जा की दृष्टि से आत्मनिर्भर बनाने के लिए अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते रहेंगे।

मैं आप सभी कर्मशील सहयोगियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, अभियंताओं और उनके परिवार के सदस्यों एवं भागीदारों का इस विशेष दिवस पर कोटिशः धन्यवाद करता हूं। आप सभी की निष्ठा, परिश्रम और समर्पण ही हमारे संगठन की रीढ़ हैं।

आप सभी को पुनः स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

आपका भविष्य उज्ज्वल हो, आपकी ऊर्जा अक्षय रहे।

धन्यवाद,

जय हिंद, जय भारत।

(**आर. के. विश्नोई**)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

संघर्ष जितना बड़ा होगा, जीत उतनी ही शानदार होगी।
The greater the struggle, the more glorious the victory.

टीएचडीसी की बड़ी उपलब्धि, विद्युत मंत्रालय के सचिव श्री पंकज अग्रवाल के करकमलों द्वारा टिहरी पीएसपी की दूसरी यूनिट की सीओडी प्रक्रिया आरंभ हुई

भारत की नवीकरणीय ऊर्जा के बुनियादी ढांचे की महत्वपूर्ण प्रगति में, टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने उत्तराखंड के टिहरी में 1000 मेगावाट के वैरिएबल स्पीड पंप स्टोरेज प्लांट (पीएसपी) की दूसरी यूनिट (250 मेगावाट) के लिए सीओडी प्रक्रिया की सफल शुरुआत की घोषणा की।

टिहरी पीएसपी का यह विकास भारत की जलविद्युत क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाता है क्योंकि टिहरी पंप स्टोरेज प्लांट न केवल देश की पहली वैरिएबल स्पीड पंप स्टोरेज सुविधा है, बल्कि किसी भी केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम द्वारा कार्यान्वित अपनी तरह की सबसे बड़ी सुविधा भी है। प्रथम यूनिट जून, 2025 से पहले से ही सफलतापूर्वक प्रचालित हो रही है, दूसरी इकाई की सीओडी प्रक्रिया का प्रारंभ, एक तकनीकी रूप से उन्नत एवं ग्रिड- संतुलन हेतु स्वच्छ ऊर्जा के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ता प्रदान करने में टीएचडीसीआईएल के नेतृत्व को और महत्वपूर्ण बनाता है।

इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के सचिव श्री पंकज अग्रवाल (आईएएस) उपस्थित थे, जिन्होंने विद्युत मंत्रालय के अपर सचिव श्री आकाश त्रिपाठी (आईएएस), विद्युत मंत्रालय के संयुक्त सचिव श्री मोहम्मद अफजल, एनटीपीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री गुरदीप सिंह, टीएचडीसीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री आर. के. विश्नोई, निदेशक (कार्मिक) श्री शैलेन्द्र सिंह, निदेशक(तकनीकी) श्री भूपेन्द्र गुप्ता एवं निदेशक (वित्त) श्री सिपन कुमार गर्ग की विशिष्ट उपस्थिति में वर्चुअल मोड के माध्यम से दूसरी इकाई के प्रचालन की आधिकारिक शुरुआत की।

विद्युत मंत्रालय के सचिव श्री पंकज अग्रवाल (आईएएस) ने समारोह को संबोधित करते हुए दूसरी यूनिट की वाणिज्यिक संचालन तिथि (सीओडी) प्रक्रिया के शुभारंभ की सराहना की। उन्होंने माननीय विद्युत तथा आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल की ओर से टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ-साथ परियोजना से जुड़ी अनुबंध एजेंसियों को इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि विद्युत मंत्रालय को इस उपलब्धि पर गर्व है, जो पूरी टीम की प्रतिबद्धता और तकनीकी उत्कृष्टता को दर्शाता है। श्री अग्रवाल ने इस बात की भी सराहना की कि टीएचडीसीआईएल ने न केवल भारत में उन्नत पम्प स्टोरेज तकनीक विकसित की है, बल्कि कठिन परिस्थितियों में पूरे प्रोजेक्ट को निष्पादित करने की चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारी भी निभाई है।

एनटीपीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री गुरदीप सिंह ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए टीएचडीसीआईएल की टीम को बधाई दी और इस उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि 04 जून को पहली यूनिट के सफल सीओडी संचालन के बाद 04 जुलाई को दूसरी यूनिट का संचालन, टीएचडीसीआईएल टीम की सतत प्रगति और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने टीम से इस गति को बनाए रखने का आग्रह किया और आशा व्यक्त की कि सतत प्रयासों सें अल्प समय में एक और मील का पत्थर भी हासिल कर लिया जाएगा।

टीएचडीसीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री आर. के. विश्नोई ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि को हासिल करने के लिए किए गए अथक प्रयासों के लिए पूरी टीएचडीसीआईएल टीम और कार्यान्वयन एजेंसियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। श्री विश्नोई ने कहा कि टिहरी पीएसपी में दूसरी यूनिट की सीओडी प्रक्रिया का प्रारंभ न केवल टीएचडीसीआईएल द्वारा एक अत्याधुनिक तकनीकी सफलता का प्रतीक है, बल्कि भारत की ऊर्जा स्वतंत्रता की दिशा में एक दृढ़ कदम का भी संकेत देता है। 250 मेगावाट की चार रिवर्सिबल यूनिटों के साथ, टिहरी पीएसपी 1000 मेगावाट स्वच्छ पीकिंग विद्युत का उत्पादन करने का अनूठा लाभ प्रदान करता है, जो विद्युत प्रणाली की विश्वसनीयता और ग्रिड स्थिरीकरण की महत्वपूर्ण आवश्यकता को पूरा करता है। श्री विश्नोई ने कहा कि टिहरी पीएसपी की सभी चार यूनिटों के कमीशन होने पर, टिहरी हाइड्रो पावर कॉम्प्लेक्स 2400 मेगावाट विद्युत का उत्पादन करेगा, जो भारत का सबसे बड़ा जल विद्युत काम्पलैक्स बन जाएगा।

श्री शैलेंद्र सिंह, निदेशक(कार्मिक) ने टीम पीएसपी, टिहरी के अटूट समर्पण और सहयोग की सराहना की और इस उपलब्धि का श्रेय टीएचडीसीआईएल की मानव शक्ति के सामूहिक प्रयासों को दिया। श्री सिंह ने कहा कि टिहरी पीएसपी आंतरायिक नवीकरणीय ऊर्जा को संतुलित करने और जीवाश्म ईंधन आधारित पीकिंग पावर पर निर्भरता को कम करने के लिए एक स्मार्ट समाधान प्रदान करता है। यह अग्रणी दृष्टिकोण इस बात का उदाहरण है कि अत्याधुनिक जल विद्युत समाधान राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं को कैसे शक्ति प्रदान कर सकते हैं।

निदेशक(तकनीकी) श्री भूपेंद्र गुप्ता ने टीम पीएसपी, टिहरी को अपनी हार्दिक बधाई दी और कहा कि यह उपलब्धि टीएचडीसीआईएल की सुदृढ़ तकनीकी दक्षता और सतत ऊर्जा बुनियादी ढांचे के विकास के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। जैसे-जैसे देश अपनी नेट जीरो प्रतिबद्धताओं के साथ आगे बढ़ता है, टीएचडीसीआईएल देश के विकसित ऊर्जा परिदृश्य और स्थिर लक्ष्यों में सार्थक योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है।

निदेशक(वित्त) श्री सिपन कुमार गर्ग ने इस उपलब्धि को हासिल करने में टीम टीएचडीसीआईएल के समर्पण पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 1000 मेगावाट का यह संयंत्र परिचालन लचीलापन प्रदान करेगा और ग्रिड स्थिरता में महत्वपूर्ण योगदान देगा, जिससे अंततः दीर्घकालिक राजस्व की प्राप्ति एवं तकनीकी लचीलापन सुनिश्चित होगा।

प्रमुख वैरियबल स्पीड टर्बाइन, जनरेटर और उन्नत डिजिटल नियंत्रण प्रणाली जीई वर्नोवा द्वारा आपूर्ति की गई है, जो ऊर्जा नवाचार में वैश्विक स्तर पर अग्रणी है। जीई वर्नोवा के योगदान ने टीएचडीसीआईएल को उच्च-निष्पादन समाधानों को एकीकृत करने में सक्षम बनाया है जो भारत में जलविद्युत उत्कृष्टता के लिए नए मानक स्थापित करते हैं।

इस अवसर पर टीएचडीसीआईएल के कार्यपालक निदेशक(टिहरी कॉम्प्लेक्स) श्री एल.पी. जोशी, कार्यपालक निदेशक(प्रभारी एनसीआर) श्री नीरज वर्मा के साथ-साथ टीएचडीसीआईएल के वरिष्ठ अधिकारी और जीई वर्नोवा, एचसीसी तथा विद्युत क्षेत्र के अन्य प्रमुख हितधारकों के साथ परियोजना संघ के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की इक्विटी में एनटीपीसी तथा उत्तर प्रदेश सरकार की हिस्सेदारी है।

निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने किया खुर्जा परियोजना का दौरा

दिनांक 10 जुलाई, 2025 को श्री आर .के. विश्नोई, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने खुर्जा उच्च ताप विद्युत परियोजना का दौरा किया। इस अवसर पर श्री भूपेन्द्र गुप्ता, निदेशक (तकनीकी) भी उनके साथ उपस्थित रहे। अपने इस दौरे के दौरान अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा सर्विस बिल्डिंग तथा वैगन टिपलर-2 का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान कार्यपालक निदेशक (परियोजना), वरिष्ठ अधिकारीगण तथा अन्य कर्मचारी भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्री विश्नोई एवं श्री गुप्ता ने सर्विस बिल्डिंग परिसर में वृक्षारोपण भी किया। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदय ने परियोजना में कार्यरत अधिकारियों एवं संविदा एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। उन्होंने यूनिट -2 की कार्य प्रगति की समीक्षा की एवं कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी को यह सुनिश्चित करने को कहा कि कार्य करने के दौरान सभी श्रमिकों के लिए सुरक्षा मानकों का पूर्ण रूप से पालन हो।

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, टिहरी में हरेला पर्व के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, टिहरी के अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा हरेला पर्व के अवसर पर 17 जुलाई, 2025 को टिहरी कोटि कॉलोनी में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यपालक निदेशक (टिहरी कॉम्प्लेक्स) श्री एल.पी. जोशी द्वारा आम का पेड़ लगाकर किया गया। श्री एल.पी. जोशी ने उपस्थित सभी कार्मिकों को संबोधित करते हुए कहा कि वृक्षों से हमें शुद्ध हवा, लकड़ी, फल और अन्य उपयोगी उत्पाद मिलते हैं, जो हमारे जीवन को आसान बनाते हैं और आर्थिक रूप से भी फायदेमंद होते हैं। वृक्षारोपण एक महत्वपूर्ण कार्य है जो हमारे पर्यावरण और जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने के साथ उनकी देखभाल करने की जिम्मेदारी भी प्रत्येक व्यक्ति की होनी चाहिए, ताकि पेड़ जीवित रह सकें और पर्यावरण संतुलित रहे एवं धरती पर हरियाली-खुशहाली रहे। साथ ही उन्होंने सभी कार्मिकों को अपने कार्यस्थलों, घर के आसपास एवं अन्य खाली जगहों पर पेड़ लगाने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (कोटेश्वर परियोजना) श्री एम.के. सिंह, अपर महाप्रबंधक (मा.सं.एवं प्रशा.) श्री डी.पी. पात्रों, अपर महाप्रबंधक (पी.एस.डी.) श्री संजय महर, अपर महाप्रबंधक (नियोजन) श्री विपिन सकलानी, अपर महाप्रबंधक (यांत्रिक) श्री संजय पंवार, वरिष्ठ प्रबंधक (यांत्रिक) श्री त्रिलोक नेगी, प्रबंधक (जनसंपर्क) श्री मनबीर सिंह नेगी, उप अभियंता (यांत्रिक) श्री लख्खू सिंह सहित बड़ी संख्या में अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित थे।

उत्साह एवं गौरव के साथ मनाया गया टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड का 38वां स्थापना दिवस

12 जुलाई, 2025 को बड़े ही उत्साह और गौरव के साथ निगम के 38वें स्थापना दिवस का आयोजन किया गया। निगम के कारपोरेट कार्यालय, ऋषिकेश सहित सभी परियोजना इकाइयों व यूनिटों में कार्यरत सभी अधिकारियों व कर्मचारियों की उपस्थिति में इस दिवस को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री आर. के. विश्नोई द्वारा ध्वज फहराया गया तथा उपस्थित जन समूह को संबोधित किया गया। सभी परियोजना कार्यालयों में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के संदेश को लाइव प्रसारण के माध्यम से सुना गया | इस अवसर पर श्री शैलेन्द्र सिंह, निदेशक (कार्मिक), श्री भूपेंद्र गुप्ता, निदेशक (तकनीकी) एवं श्री सिपन कुमार गर्ग, निदेशक (वित्त) उपस्थित रहे।

कारपोरेट कार्यालय ऋषिकेश में आयोजित कार्यक्रम की कुछ झलकियां

स्थापना दिवस के इस विशेष अवसर पर निगम के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री डी. वी. सिंह को उनके दूरदर्शी नेतृत्व और संगठन के विकास के प्रति उनके आजीवन समर्पण के लिए ''नमन'' पुरस्कार से सम्मानित किया गया । साथ ही श्री नीरज वर्मा, कार्यपालक निदेशक (प्रभारी-एनसीआर), श्री ए.के. घिल्डियाल, कार्यपालक निदेशक (एपीपी); श्री अजय वर्मा, मुख्य महाप्रबंधक (वीपीएचईपी), डॉ. ए.एन. त्रिपाठी, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन-प्रशासन एवं कारपोरेट संचार) एवं श्री अजय कुमार गर्ग, महाप्रबंधक (वित्त) को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित "गौरव" पुरस्कार प्रदान किया गया।

श्री एल. पी. जोशी, कार्यपालक निदेशक (टीसी) टिहरी परियोजना में निगम का ध्वज फहराते हुए।

श्री कुमार शरद, कार्यपालक निदेशक (परियोजना) खुर्जा परियोजना में निगम का ध्वज फहराते हुए।

अमेलिया कोल माइन परियोजना में स्थापना दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण का दृश्य।

कोटेश्वर परियोजना में स्थापना दिवस के आयोजन का दृश्य।

विष्णुगाड-पीपलकोटी जलविद्युत परियोजना में स्थापना दिवस के आयोजन का दृश्य।

देहरादून कार्यालय में स्थापना दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया।

कौशांबी कार्यालय में स्थापना दिवस के आयोजन का दृश्य।

कासरगॉड

50 मेगावाट सोर परियोजना कासरगॉड में स्थापना दिवस के अवसर पर श्री डी. मणि, महाप्रबंधक (परियोजना) द्वारा ध्वज फहराया गया।

लखनऊ

निगम के लखनऊ कार्यालय में स्थापना दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया।

चित्रकूट

चित्रकूट कार्यालय में स्थापना दिवस के आयोजन का दृश्य।

झांसी

झांसी कार्यालय में स्थापना दिवस के आयोजन का दृश्य।

ललितपुर

ललितपुर कार्यालय में स्थापना दिवस के आयोजन का दृश्य।

Review Meeting by Hon'ble Member of National Commission for Scheduled Castes, Government of India

Sh. Love Kush Kumar, Hon'ble member of the National Commission for Scheduled Castes, Government of India, visited Dehradun on July 25, 2025, to review the implementation of the Reservation Policy at different Government departments and Establishments situated in Uttarakhand. Sh. Sandeep Singhal, Executive Director (Technical), THDCIL warmly welcomed all the team members of National Commission for Scheduled Castes, Government of India led by Sh. Love Kush Kumar, Hon'ble member of the National Commission for Scheduled Castes.

Sh. Y.K. Bansal, Consultant, National Commission for Scheduled Castes, Sh. B.K.Bhola, PS to Hon'ble Member of the National Commission for Scheduled Castes, Sh. Dharmendra Kumar PA to Hon'ble Member, Dr. A.N. Tripathy, CGM (HR &A and CC), Sh. Mukesh Verma , AGM (HR), Sh. S.J.Jeya Kumar, AGM (Design), Chief Liaison officer of SC/ST, Liaison officers of SC/ST of THDCIL were also present during the meeting.

Hon'ble Member expressed satisfaction with the efforts undertaken by THDCIL in implementing the Reservation Policy. He also engaged in a seperate detailed discussion with the SC/ST Welfare Association representatives to gain insights into the challenges and aspirations of the SC/ST community within the organization.

Furthermore, the Hon'ble member provided valuable suggestions for the welfare of SC/ST employees, and THDCIL management, represented by CGM (HR & A and CC), Dr. A.N. Tripathy assured the implementation of those recommendations affirming that THDC management has consistently maintained a pro-employee and friendly disposition. This commitment is especially heightened for the more vulnerable sections of society. Sh. R.K. Vishnoi, Chairman and Managing Director, Sh. Shallinder Singh, Director (Personnel) THDC India Limited, emphasizing THDCIL's unwavering dedication to social inclusion and the overall well-being of its diverse workforce, added that the organization has always committed to cultivating an inclusive and equitable workplace.

संघर्ष जितना बड़ा होगा, जीत उतनी ही शानदार होगी।
The greater the struggle, the more glorious the victory.

टीएचडीसीआईएल एचआरडी केंद्र को एसएचआरएम इंडिया द्वारा 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' का गौरव प्राप्त

स्थापना दिवस के अवसर पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक को निदेशक (कार्मिक) 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' सम्मान का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करते हुए।

निदेशक (कार्मिक) 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' सम्मान का प्रमाणपत्र प्राप्त करते हुए।

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने मानव संसाधन विकास के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए, अपने मानव संसाधन विकास केंद्र, ऋषिकेश को 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के रूप में प्रतिष्ठित एसएचआरएम इंडिया (सोसाइटी फॉर ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट) द्वारा प्रमाणित कर लिया है। यह गौरवपूर्ण मान्यता, टीएचडीसीआईएल के एचआरडी केंद्र को सार्वजनिक क्षेत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण संस्थानों की पंक्ति में शामिल करती है, जिसमें आईओसीएल एवं एचपीसीएल जैसे प्रमुख उपक्रम भी शामिल हैं।

टीएचडीसीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री आर. के. विश्नोई ने इस उपलब्धि पर एचआर टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान कंपनी की प्रतिभा विकास एवं उत्कृष्ट कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने की निरंतर प्रतिबद्धता का प्रमाण है। निगम के कर्मचारी मानव संसाधन नीतियां एवं पहल, विशेषकर एचआरडी केंद्र, ज्ञान, नवाचार एवं परिवर्तन के प्रमुख स्रोत के रूप में निरंतर कार्य कर रहे हैं। यह मान्यता भविष्य के लिए तैयार, प्रशिक्षित कर्मचारी विकसित करने की हमारी दूरदर्शिता को रेखांकित करती है। एसएचआरएम-पीएसई बेंचमार्किंग पहल के अंतर्गत प्राप्त यह प्रमाणपत्र टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। यह केंद्र, सार्वजनिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रशिक्षण संस्थानों की अग्रिम पंक्ति में स्थान प्राप्त कर चुका है, जो वैश्विक मानकों पर आधारित शिक्षण प्रणालियों और कर्मचारी-हितैषी प्रक्रियाओं को अपनाने की हमारी रणनीति को सशक्त बनाता है।

इस मान्यता के लिए अंतरराष्ट्रीय मापदंडों पर आधारित विस्तृत मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत, कंपनी की नीतियों की समीक्षा, प्रशिक्षण प्रतिक्रिया, एसओपी, सुरक्षा प्रोटोकॉल, उपस्थिति ऑडिट के साथ-साथ अधोसंरचना निरीक्षण और नेतृत्व, संकाय व कर्मचारियों से गहन संवाद सम्मिलित थे। यह मील का पत्थर टीएचडीसीआईएल की संगठन के सभी स्तरों पर क्षमता विकास, उत्कृष्टता और राष्ट्र की "विकसित भारत 2047" की परिकल्पना में योगदान की संकल्पबद्धता को दर्शाता है।

टीएचडीसीआईएल के निदेशक (कार्मिक) श्री शैलेन्द्र सिंह ने इस विशिष्ट उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए, कंपनी द्वारा निरंतर अधिगम और व्यावसायिक विकास पर केंद्रित दृष्टिकोण को दोहराया। यह पुरस्कार मानव पूंजी विकास के क्षेत्र में टीएचडीसीआईएल की अग्रणी यात्रा का एक और स्वर्णिम अध्याय है। कठोर अंतरराष्ट्रीय मूल्यांकन मानदंडों के अनुरूप एचआरडी केंद्र को 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के रूप में प्राप्त मान्यता, वैश्विक स्तर की प्रशिक्षण, डिजिटल क्षमता एवं व्यावसायिक लक्ष्यों के साथ रणनीतिक समन्वय में हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

श्री सिंह ने कहा कि टीएचडीसीआईएल के लिए मानव संसाधन केवल नीतियों और प्रक्रियाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह लोगों के बारे में है। हमारी सोच सदैव कर्मचारी केंद्रित रही है, जिसमें प्रतिभा पोषण, समावेशिता, सतत अधिगम और ऐसा वातावरण तैयार करना शामिल है जहां प्रत्येक व्यक्ति फलता-फूलता है और संगठन की प्रगति में सक्रिय योगदान देता है।

टीएचडीसी का एचआरडी केंद्र केवल प्रशिक्षण केंद्र नहीं, बल्कि रणनीतिक परिवर्तन का संवाहक है। यह मान्यता प्रमाणित करती है कि हम अपने मानवबल को अत्याधुनिक ज्ञान और कौशल से लैस करने हेतु संकल्पित हैं, ताकि वे आज के प्रतिस्पर्धात्मक और परिवर्तनशील व्यावसायिक परिदृश्य में सशक्त योगदान दे सकें। यह उपलब्धि टीएचडीसीआईएल को नवाचार आधारित, शिक्षा केंद्रित संगठन के रूप में और अधिक मजबूती प्रदान करती है। इस अवसर पर श्री निशीथ उपाध्याय, कार्यकारी निदेशक (नॉलेज एवं एडवाइजरी सर्विसेज), एसएचआरएम इंडिया तथा श्री निशांत पराशर, वरिष्ठ प्रबंधक, एसएचआरएम इंडिया द्वारा प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। इस समारोह में टीएचडीसीआईएल के मुख्य महाप्रबन्धक (एचआर-प्रशासन, केंद्रीय संचार एवं एचआरडी) डॉ. ए. एन. त्रिपाठी एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

टीएचडीसीआईएल का एचआरडी केंद्र आज ज्ञान और क्षमता निर्माण का एक प्रमुख केंद्र बन चुका है, जो न केवल कंपनी के कर्मचारियों के लिए, अपितु अन्य केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों और अग्रणी बहुराष्ट्रीय निजी संस्थानों के लिए भी विश्वस्तरीय अधिगम अवसंरचना और संसाधन उपलब्ध करवा रहा है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में इस केंद्र ने लगभग ₹90 लाख का प्रशिक्षण राजस्व अर्जित किया, जो इसे व्यावसायिक विकास के लिए एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में स्थापित करता है।

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड अब कई महत्वपूर्ण सुधारों और भविष्य-दृष्टि पहल के साथ नए कीर्तिमान स्थापित करने की ओर अग्रसर है और आने वाले वर्ष में ₹2 करोड़ प्रशिक्षण राजस्व अर्जित करने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। साथ ही, केंद्र अब अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों एवं वैश्विक संस्थानों तक अपनी सेवाएं विस्तारित करने की दिशा में भी तैयार है, जिससे यह वैश्विक स्तर का अधिगम और मानव संसाधन उत्कृष्टता केंद्र बनने की दिशा में सुदृढ़ता से अग्रसर रहेगा।

THDC Partners with Balmer Lawrie to Launch Self Booking Tool, Reinforcing Transparency and Employee Welfare

THDC India Limited has taken a significant step towards enhancing operational transparency and employee welfare measures by entering into an agreement with M/s Balmer Lawrie & Co. Ltd. for the launch of the Standard Self Booking Tool (SSBT).

Sh. R. K. Vishnoi, Chairman and Managing Director, conveyed his heartfelt congratulations on the signing of this MOU and highlighted that THDC India Limited has consistently achieved significant milestones in the power sector, most recently with the commissioning of two units of the 1000 MW Tehri Pumped Storage Plant, India's first Variable Speed PSP. These achievement stands as a testament to the dedication and commitment of THDCIL's workforce.

THDCIL continues to reinforce its commitment to excellence not only in Power Generation but also in Employee-Centric initiatives and employee welfare measures. Human Resource in THDCIL has been instrumental in launching a series of forward-looking initiatives aimed at enhancing transparency, convenience and seamless access to employees of which the implementation of this Standard Self Booking Tool (SSBT) is a noteworthy example. This latest initiative reflects THDCIL's broader vision of leveraging technology to simplify systems, enrich the employee experience, and usher in a new era of digital transformation across the organization.

Sh. Shallinder Singh, Director (Personnel), congratulated entire THDCIL family on this significant HR initiative and stated that THDCIL has achieved several key milestones in the Power Sector in recent years, driven by unwavering commitment and collective efforts of its dedicated workforce. Emphasizing the organization's people-centric approach, Sh. Singh stated that employee welfare remains a core priority at THDCIL, and initiatives like the Standard Self Booking Tool (SSBT) reflect the company's continued focus on enhancing convenience, transparency, and efficiency in employee services.

This digital platform will streamline air ticket booking for both official and personal journeys of employees and their dependents ensuring cost-effectiveness, flexibility, and seamless accessibility. The SSBT platform offers a wide array of employee-friendly features including real-time availability of best fares, zero service and convenience charges, corporate fare benefits, complimentary meals and seat selection as per airline policy, and 24x7 travel assistance.

Signed in the esteemed presence of Sh. Shallinder Singh, Director, Personnel (THDCIL), on the behalf of THDCIL, Sh. Neeraj Verma, Executive Director (NCR), signed the MoU and Sh. Ashok Gupta, Chief Operating Officer, signed on the behalf of Balmer Lawrie & Co. Ltd.

Sh. Ashutosh K. Anand, DGM, D(P) Sectt, THDCIL, Sh. Ashok Gupta, COO, B&L, Ms. Ruhi Singh, Head - MICE, B&L, Sh. Devender Tiwari, Head- Operations and KAM, B&L along with other officers of THDCIL and Balmer Lawrie & Co. Ltd. were present during the occasion.

This facility is extended to both serving and superannuated employees along with their dependents, making it a truly inclusive reform. The move reflects THDCIL's steadfast commitment to excellence in employee welfare, backed by innovation and integrity.

संघर्ष जितना बड़ा होगा, जीत उतनी ही शानदार होगी।
The greater the struggle, the more glorious the victory.

टीएचडीसी के ₹600 करोड़ के कॉरपोरेट बॉन्ड्स (सीरीज़-XIII) 23 जुलाई को बीएसई और एनएसई में हुए सूचीबद्ध

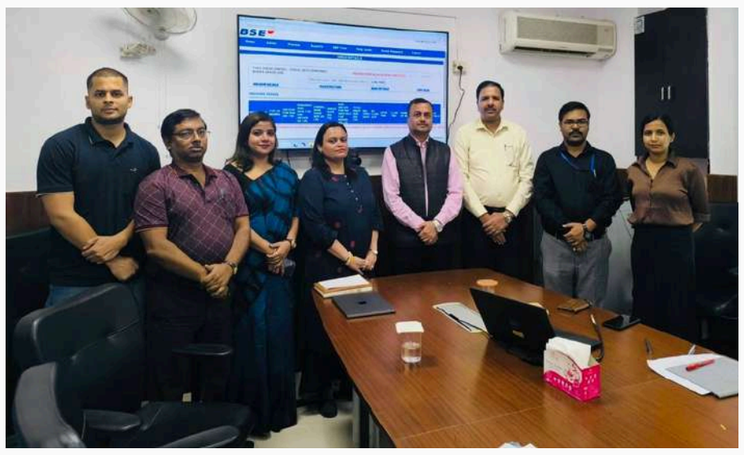

शेयर बाजार में मजबूत भरोसे और निवेशकों के विश्वास को दर्शाते हुए, टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने कॉरपोरेट बॉन्ड्स की सीरीज-XIII के तहत ₹600 करोड़ के लिए बिडिंग प्रक्रिया 18 जुलाई, 2025 को सफलतापूर्वक संपन्न की। यह प्रक्रिया टीएचडीसी के कॉर्पोरेट कार्यालय, ऋषिकेश में आयोजित की गई, जिसमें बीएसई-इलेक्ट्रॉनिक बिडिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से 7.45% प्रति वर्ष की प्रतिस्पर्धी कूपन दर निर्धारित हुई। उल्लेखनीय है कि इस इश्यू को प्रतिस्पर्धी रेट से 11 गुना अधिक सब्सक्रिप्शन प्राप्त हुआ, जो टीएचडीसीआईएल के बॉन्ड्स में निवेशकों के विश्वास को दर्शाता है।

निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री आर. के. विश्नोई ने कहा कि बॉन्ड सीरीज़ XIII का सफल समापन, टीएचडीसी के सुदृढ बुनियादी ढांचे, विवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन और निरंतर परिचालन प्रदर्शन में निवेशकों के दृढ़ विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि एक विविधीकृत ऊर्जा उपक्रम के रूप में, टीएचडीसी विभिन्न ऊर्जा क्षेत्रों में प्रवेश कर अपने पोर्टफोलियो का निरंतर विस्तार कर रहा है और इस इश्यू के माध्यम से जुटाई गई धनराशि कंपनी की वित्तीय स्थिति को और मज़बूत करेगी एवं चल रही रणनीतिक परियोजनाओं को सहयोग प्रदान करेगी।

टीएचडीसी के निदेशक (वित्त) एवं सीएफओ श्री सिपन कुमार गर्ग ने जानकारी दी कि इस इश्यू में असुरक्षित, विमोचनीय, गैर-परिवर्तनीय, गैर-संचयी कर योग्य बॉन्ड शामिल हैं, जिनका बेस साइज ₹200 करोड़ तथा ग्रीन शू विकल्प ₹400 करोड़ का है, जिससे कुल इश्यू साइज ₹600 करोड़ का बनता है। इस बॉन्ड की अवधि 10 वर्ष रखी गई है। उन्होंने आगे बताया कि इस इश्यू को बाजार से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली तथा बेस इश्यू साइज से 11 गुना अधिक सब्सक्रिप्शन प्राप्त हुआ, जो टीएचडीसी की वित्तीय मजबूती, विवेकपूर्ण ऋण प्रबंधन और परिचालन उत्कृष्टता के निरंतर ट्रैक रिकॉर्ड में निवेशकों के मजबूत विश्वास को दर्शाता है। बिडिंग प्रक्रिया के दौरान श्री सिपन कुमार गर्ग, निदेशक (वित्त) एवं सीएफओ, श्री ए. के. गर्ग, महाप्रबंधक (वित्त), श्री हिमांशु चक्रवर्ती, अपर महाप्रबंधक (वित्त-बजट), सुश्री रश्मि शर्मा, कंपनी सचिव, टीएचडीसी तथा सुश्री हेमलता अग्रवाल, बीएसई प्रमुख, उत्तरी क्षेत्र (फिक्स्ड इनकम) उपस्थित रहीं। कंपनी को वर्तमान में इंडिया रेटिंग्स से "एए आउटलुक पॉजिटिव" तथा केयर रेटिंग्स से "एए आउटलुक स्टेबल" रेटिंग प्राप्त है, जो इसकी सुदृढ वित्तीय स्थिति और क्रेडिट प्रोफाइल को दर्शाती है। अब तक, टीएचडीसी ने कॉरपोरेट बॉन्ड की कुल 13 सीरीज जारी की है एवं कॉरपोरेट ऋण बाजार से 10,442 करोड़ रुपये की धनराशि सफलतापूर्वक जुटाई है। टीएचडीसी द्वारा जारी सभी बॉन्ड में निवेशकों ने उल्लेखनीय रुचि प्रदर्शित की है, जो कंपनी में निवेशकों के निरंतर विश्वास को दर्शाता है।

टीएचडीसीआईएल-आईकेसीए उच्च प्रदर्शन अकादमी के उत्कृष्ट खिलाड़ियों का टिहरी में हुआ सम्मान

टिहरी परिसर में टीएचडीसीआईएल-आईकेसीए (इंडियन कयाकिंग एण्ड कैनोइंग) उच्च प्रदर्शन अकादमी, कोटेश्वर के उत्कृष्ट खिलाड़ियों के असाधारण प्रदर्शन को सम्मानित करने हेतु 16 जुलाई, 2025 को एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। यह प्रतिष्ठित अकादमी, टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड द्वारा इंडियन कयाकिंग एंड कैनोइंग एसोसिएशन (IKCA) के सहयोग से तथा उत्तरांचल ओलंपिक संघ के समर्थन से स्थापित की गई थी और अब यह खेल उत्कृष्टता का प्रमुख केंद्र बन रही है। कार्यपालक निदेशक (टिहरी कॉम्प्लेक्स) श्री एल. पी. जोशी ने उपस्थितजन को संबोधित करते हुए खिलाड़ियों को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी। उन्होंने एशिया-पैसिफिक कैनो स्प्रिंट कप 2025, जापान और जूनियर एवं अंडर-23 एशियन कैनो स्प्रिंट चैम्पियनशिप 2025, थाईलैंड में किए गए उनके असाधारण प्रदर्शन की सराहना की और इस उपलब्धि को प्राप्त करने पर प्रमाण पत्र वितरित किए। उन्होंने खिलाड़ियों के समर्पण, अनुशासन और परिश्रम की सराहना की और बताया कि जुलाई -अगस्त 2024 में स्थापित यह अकादमी अल्प समय में राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त बन गई है।

समारोह का मुख्य आकर्षण प्रिंस गोस्वामी का सम्मान था, जिन्होंने एशिया-पैसिफिक कैनो स्प्रिंट कप 2025, कोमात्सु, जापान में दो स्वर्ण पदक (C1-1000 मीटर एवं C1-500 मीटर) जीतकर देश को गौरवान्वित किया। उन्हें "गोल्डन बॉय ऑफ कैनोइंग इन इंडिया" की उपाधि प्राप्त हुई। वे अलेक्ज़ेंडर डायडचुक, डी.वी.एस. नेगी, ओ. जेम्सबॉय सिंह और वीरपाल कौर के मार्गदर्शन में प्रशिक्षित हुए।

जूनियर व अंडर-23 एशियन चैम्पियनशिप, थाईलैंड में इन खिलाड़ियों ने देश के लिए पदक हासिल किए। पी.एच. ज्ञानेश्वर सिंह एवं अरविंद वर्मा – रजत पदक (C2-500 मीटर), टोमथिलंगनबा नगाशेपम, हर्षवर्धन सिंह, रिमसन माइरेम्बम, जसप्रीत सिंह – टीम इवेंट में कांस्य पदक, गौरी कृष्णा एम – C2 इवेंट में कांस्य पदक। इन सभी खिलाड़ियों को अलेक्ज़ेंडर डायडचुक, ए. चिंग चिंग सिंह, और वीरपाल कौर के नेतृत्व में प्रशिक्षित किया गया। इस अवसर पर कई वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। जिनमें शामिल थे: श्री एम.के. सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (पीएसडी/एचओपी-कोटेश्वर), श्री डी.पी. पात्रो, अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन), श्री मोहन सिंह सिरसवाल, वरिष्ठ प्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन), श्री मनबीर सिंह नेगी, प्रबंधक – जन सम्पर्क और श्री गिरीश उनियाल, प्रबंधक – (मानव संसाधन एवं प्रशासन), कोटेश्वर। इस अवसर पर अकादमी के मुख्य तकनीकी और कोचिंग दल के सदस्य भी उपस्थित थे, जिनमें डॉ. सुमंत एस. कुलश्रेष्ठ (निदेशक, एचपीए), श्री अलेक्ज़ेंडर डायडचुक (विदेशी कोच), सुश्री वीरपाल कौर (महिला कोच), SAI-HPM श्री दिलीप बेनीवाल, आर्मी कोच श्री शांतिस्वरूप, एवं अन्य सहयोगी शामिल थे।

THDCIL Signs Landmark Power Purchase Agreements for 1200 MW Kalai-II Hydro Project, Advancing India's Green Energy Mission

Marking a significant stride towards Clean Energy generation and Sustainable development, THDC India Limited has signed Power Purchase Agreements for its upcoming 1200 MW Kalai-II Hydro Electric Project in Arunachal Pradesh. This milestone reflects the organizations commitment towards Sustainable development and a resilient Energy ecosystem.

Sh. R. K. Vishnoi, Chairman and Managing Director, THDCIL, emphasized that the signing of these agreements underscores the organization's vision to contribute meaningfully to cater the nation's energy demands. He stated that the 1200 MW Kalai-II project will play a pivotal role in reinforcing energy security through sustainable and environment-friendly power generation, aligning with India's broader vision of Viksit Bharat by 2047.

Sh. Vishnoi further added that the Kalai-II Hydro Electric Project marks a historic milestone for THDC India Limited, reinforcing our commitment to sustainable energy and regional development. This project not only strengthens India's Green energy goals but also serves as a catalyst for Socio-economic progress in Arunachal Pradesh. As the first CPSU-led initiative in the Lohit basin, it stands as a testament to our dedication to building a cleaner, more energy-secure future for India.

The signing ceremony was graced by Sh. Sipan Kumar Garg, Director (Finance), THDC India Limited. Sh. Garg remarked that this marks a strategic step in THDCIL's journey towards commercially viable clean energy solutions. It not only enhances our energy portfolio but also solidifies our financial and operational commitment to accelerating India's transition to green power. With long-term PPAs secured across key states and sectors, this project sets a strong precedent for future hydropower developments led by THDCIL.

The agreements were signed with three major entities. The first PPA was signed with the Uttar Pradesh Power Corporation Limited (UPPCL), Uttar Pradesh on 16th June 2025. The PPA was signed by Sh. R.K. Verma, AGM (I/C-Commercial) on behalf of THDC India Limited and Sh. Deepak Raizada, Chief Engineer- on behalf of UPPCL. The second agreement was signed with Tripura State Electricity Corporation Limited (TSECL), Tripura on 18th July 2025. The PPA was signed by Sh. R.K. Verma, AGM (I/C-Commercial) on behalf of THDC India Limited and Smt. Sujata Sarkar, DGM on behalf of TSECL. And the third PPA was signed with Indian Railways on 31st July 2025 at Rishikesh. The PPA was signed by Sh. R.K. Verma, AGM (I/C-Commercial) on behalf of THDC India Limited and Sh. Ashish Mehrotra, Chief Electrical Distribution Engineer on the behalf of Indian Railways.

Sh. S. K. Chaurasia, SE-PPA, UPPCL, Sh. Aashish Awasthi, SSE-Indian Railways (NR), Sh. Ajay Vaish, AGM (Commercial), Sh. Neeraj Kumar, AGM (Commercial), Sh. J. K. Hatwal, DGM (Commercial), Sh. Rakesh Singh, Senior Manager (Commercial) and Sh. Rahul Kumar, Assistant Manager (Commercial) was also present during this occasion.

The Kalai-II Hydro Electric Project is poised to become a cornerstone in India's hydropower development, fostering interstate collaboration and bolstering the country's ambitions for a low-carbon, energy-secure future.

संघर्ष जितना बड़ा होगा, जीत उतनी ही शानदार होगी।
The greater the struggle, the more glorious the victory.

Winners of Award & Reward Scheme

Naman Award 2025

Sh. D. V. SIngh
Ex-CMD
THDCIL

Sh. D. V. Singh received the Naman Award for his exceptional technical expertise, visionary leadership, and unwavering commitment to organizational growth. An alumnus of NIT Rourkela, he began his career with L&T and went on to serve in key roles at NTPC Singrauli, Indo-Gulf Fertilizers, and the SCOPE Twin Towers project before joining THDCIL in 1992. He played a pivotal role in commissioning the Tehri Power House and, as CPO of the Koteshwar HEP, led its completion in record time, earning national recognition as an "Eminent Engineering Personality." As Director (Technical) and later CMD, he drove THDCIL's diversification into thermal, wind, and solar energy, revived the Khurja STPP, and shaped policy frameworks for faster, fairer project delivery. Even post-retirement, he continues to contribute to the power sector through the CCIE and as an Independent Engineer, leaving a legacy of innovation, governance excellence, and people-first leadership.

Gaurav Award 2025

Sh. Neeraj Verma
ED (I/C)
NCR Office

Sh. Neeraj Verma, ED (I/C), NCR, a graduate in Electronics & Communication from BIET Mysore with a PG Certificate in Project Management from IIM Indore, joined THDCIL in 1990 and played a key role in commissioning Tehri HPP, Koteshwar HEP, and Tehri PSP. He secured MoUs for over 10,000 MW of PSP and renewable projects, developed a Decision Support System for the Tehri Power Complex, streamlined procurement policies, and contributed to national energy policy. For his achievements, he was honoured with the Gaurav Award.

Sh. A.K. Ghildiyal, Electrical Engineer and certified Project Manager from IIM Indore, has over 34 years of service in THDCIL, leading the 400 MW Koteshwar HEP for two decades. He restored the project after the 2010 floods, earning the PMI India Best Project Award, pioneered turbine erection without an EOT crane, and ensured uninterrupted generation during COVID-19. For his remarkable achievements, he was honoured with the Gaurav Award.

Sh. A.K. Ghildiyal
ED (Project)
A.P.

Sh. Ajay Verma,
CGM (Project)
VPHEP

Sh. Ajay Verma, Civil Engineering graduate from Bangalore University with project management credentials from IIM Indore, has served THDCIL for over 35 years, contributing to major projects like Tehri Dam & Spillways, Koteshwar Dam, Dhukwan SHP, and Khurja STPP. Currently heading the Vishnugad–Pipalkoti HEP as Chief General Manager, he was honoured with the Gaurav Award for his outstanding achievements.

Dr. Amarnath Tripathy, CGM (HR&A, CC), has over 30 years of service at THDCIL, leading strategic HR reforms, employee welfare, and organizational excellence. He drove the Tehri–Koteshwar manpower merger, transformed the Tehri Water Sports Cup into a national event, established a High-Performance Sports Academy, and made the HRD Centre a profit-generating Centre of Excellence. For his exceptional contributions, he was honoured with the Gaurav Award.

Dr. A.N. Tripathy,
CGM (HR - A & CC)
Rishikesh

Sh. Ajay Kumar Garg,
GM(F&A)
Rishikesh

Sh. Ajay Kumar Garg, General Manager (Finance), has served THDCIL for over 33 years, holding key roles including Head of Finance at VPHEP and Tehri. He has arranged over ₹150 billion in low-cost long-term debt, ensured timely finalization of accounts with NIL CAG comments in FY 2023-24, and strengthened financial management and controls. For his exceptional contributions, he was honoured with the Gaurav Award.

Best Employee Award (Executive Category)

Sh. Ashutosh Kumar Anand
DGM (DP Sectt.),
Rishikesh

Smt. Nayan Raturi
Manager (TG),
Khurja

Sh. Manyank Bajpai
Manager (F&A),
Rishikesh

Sh. Rakesh Bansal
Manager (TBM),
Pipalkoti

Sh. Samrat Mukherjee
Manager,
Amelia Coal Mines

Sh. Prakash Kumar Sahu
Dy. Manager,
Amelia Coal Mines

Sh. Balwant Singh
Dy. Manager, (CMD Sectt.) NCR Office

Sh. Mayank Singh
Asst. Manager (EM &HM)
Tehri

Best Employee Award (Supervisor Category)

Sh. Yogesh Chandra Joshi, Jr. Engineer, (Electrical), Khurja

Sh. Triveni Singh Ghanata, Jr.Executive (O&M), Tehri

Best Employee Award (Workmen Category)

Sh. Deepak Singh , Assistant(Mechanical) Pipalkoti

Sh. Sudarshan Biswal
Sub Offer (HR &A)
Rishikesh

Sh. Rohitas Singh, Helper (O&M) Tehri

SWIFT DECISION MAKING AWARDS 2025

Sh. U.D. Dangwal
GM (Design-Civil)
Rishikesh

Sh. U.D. Dangwal, GM (Civil), Tehri PSP, led the critical initial filling of the Water Conductor System under tight deadlines by modifying standard procedures based on real-time data. His timely decisions ensured structural safety, accommodated EM/HM tests, and enabled successful WCS filling, leading to on-time commissioning of Tehri PSP.

Sh. Ravindra Singh Rana, AGM (O&M), Tehri HPP, led the on site repair of turbine runner cavitation, an Indian first, within the planned maintenance window. He also completed annual maintenance of all three units in just 37 days, safeguarding equipment and ensuring timely restoration of power generation.

Sh. Ravindra Singh Rana
AGM (O&M)
Tehri

Sh. Rajeev Mohan Dubey
GM(Electrical)
KSTPP

Facing delays in power evacuation at Khurja STPP due to UPPTCL's connectivity issues, Sh. Rajeev Mohan Dubey swift actions enabled timely commissioning of 1st Unit of Khurja. He also facilitated infirm power sales by registering the project on the NOAR portal, earning ₹32.17 crore during commissioning.

संघर्ष जितना बड़ा होगा, जीत उतनी ही शानदार होगी।
The greater the struggle, the more glorious the victory.

INNOVATION AWARDS 2025

Sh. Rajan Aswal
DGM (PSP- EM/HM)
Tehri

Sh. Saurabh Dwivedi
Sr. Manager
Tehri

Sh. Jagmohan Uniyal
Asst. Manager,
Tehri

The Tehri PSP EM/HM team overcame two major challenges by installing 2400 meters of heat exchanger pipes in tight tunnel spaces and modifying the Oil Pressure Unit for safer, independent turbine and MIV operations.
Their innovations ensured timely commissioning and brought significant operational and financial benefits to THDCIL.

Sh. Tanmay Shivhare
Assistant Manager
(MPS), Pipalkoti

Sh. Tanmay Shivhare developed an AI-powered dashboard at VPHEP that integrates real-time site data with planning tools, enabling instant reports and live visualizations. By linking Primavera schedules with on-ground photos, he enhanced transparency and decision-making, saving time and offering a scalable model for other THDCIL projects.

Sh. Avkesh Kumar
Sr. Manager (Civil-Design), Rishikesh

To tackle the persistent problem of road sinking in hilly regions like the North-East and Uttarakhand, Sh. Avkesh Kumar devised an innovative slope stabilization method using RCC slabs on micro-piles with Self-Drilling Anchors. This cost-effective, long-term solution has strengthened THDCIL's reputation in landslide consultancy, generating over ₹26 crore annually through MoUs and consultancy projects.

Sh. Sandeep Rawat
Manager(IT),
Rishikesh

Ms. Udita Chandra
Asst. Manager(IT),
Rishikesh

Sh. Aman Kala
Asst. Manager(IT),
Rishikesh

To improve IT grievance redressal, the IT team at Rishikesh developed the 'IT Samadhan Portal', a smart, web-based complaint management system integrated with platforms like eOffice, HRMS, and Microsoft 365. This unified solution has streamlined issue resolution, boosted productivity, and reduced costs, significantly enhancing THDCIL's digital governance and service efficiency.

SUGGESTION MELA 2025

Sh. Merensow Pongen
ET (Project)
APP

Improving the digital infrastructure of the organisation or its performance: Make a buy/sell portal in FMS/HRMS/Suitable online platform for employees to buy/sell electrical appliances/furnitures /cars/bikes/ other items easily. Space may be given for Employee name, mobile number with location. Even the old assets of THDC can be sold here directly or on auction rather than wasting or inefficiently selling it off.

Sh. Zia Ul Haque Ansari
Sr. Manager (F&A)
Rishikesh

In the present era of digitalization, Physical Libraries in Rishikesh/different units may be converted into e-library facilities in a phased manner. It will provide 24x7 easy access and save physical space, reduce Physical library maintenance cost and preserve Books/ Documents in digital form for long period.

Sh. Ojasvi Gupta
Asst. Manager
(Design-Civil)
Rishikesh

Implementing secure, encrypted e-signatures in place of pen-and-paper approvals for design and drawing documents would enable swift, secure authorisations linked to the approving authority's e-system. Digitally signed documents could be instantly shared via email, reducing postal delays, cutting paper usage, enhancing efficiency, improving traceability, and supporting sustainability efforts.

Consolation Prize

Sh. Surya Mouli Kalagara
Asst. Manager (HR)
NCR Office

Online Consultancy Feature in FMS: An online consultancy option may be introduced within the FMS to make consultancy services accessible to all employees, regardless of their location or posting.

MERITORIOUS STUDENTS AWARDS 2025

CLASS X CBSE CATEGORY

Ms. Ayushi Kiran
D/o Sh. Rakesh Ratan Pathak,
DGM (O&M), Khurja
97.40% Marks

Ms. Ilika Tripathi
D/o, Sh. Amlendu Tripathi
DGM(G&G), Rishikesh
93.80% Marks

Ms. Udaigiri Yashasvini
D/o Sh. Udaigiri Mallikaarjun,
DGM(Solar PSP),NCR Office
91.20% Marks

CLASS X ICSE CATEGORY

Master Prashant Raj Kumwal
S/O Sh. Khushiram Kumwal,
Technician(HR&A), Tehri
94% Marks

CLASS X STATE BOARD

Master Ishant Rangarh
S/O Sh. Raghubir Singh
Work Assistant (F&A), Tehri
90% marks

CLASS XII ICSE CATEGORY

Ms Saumya Sajwan
D/0 Sh. Tajveer Singh Sajwan,
Dy. Manager(O&M), KHEP
95.60% Marks

CLASS XII ICSE CATEGORY

Master Saksham Bharti
S/o Sh. Vidhi Lal,
Sub Officer(HR&A),Tehri
92% Marks

CLASS XII CBSE CATEGORY

Ms. Omni
D/o Sh. Tota Singh Bisht,
Dy. Manager(Civil), PSP Tehri
87.80% Marks

MEDICAL CATEGORY, 2025

NEET PG 2025

Dr. Srishti Chauhan
D/o Sh. Shivraj Singh Chauhan
AGM (I/c) , Dwarka WPP

MEDICAL CATEGORY, 2025

NEET UG 2025

Mr. Vishwash Raturi
S/o Sh. Rajesh Raturi
Jr. Engineer (Electrical Services Deptt.), Rishikesh

Engineering Category-2025 (JEE MAIN)

Mr. Anamya Kumar
S/O Sh. Ajay Kumar
AGM (G&G)
VPHEP

Mr. Shaurya Kumar
S/o Sh. Ravi Kumar
Sr. Manager(Electrical)
Tehri

संघर्ष जितना बड़ा होगा, जीत उतनी ही शानदार होगी।
The greater the struggle, the more glorious the victory.

MANAGEMENT CATEGORY 2025 - CAT

Mr. Devraj Kisan
S/o Sh. Bholeshwar Kisan, Jr. Officer, D(F) Sectt.

Mr. Adhyayan Tyagi
S/o Sh. H.K.Tyagi, CEO(TREDCO)

House Keeping Award for Upkeep of Residential Area/ Colony-2025

1st Rishikesh

2nd Tehri

Plant House Keeping Award-2025

1st Tehri

2nd Koteshwar

House Keeping Award for Upkeep of Offices-2025

1st Kaushambi

2nd Rishikesh

Housekeeping Award for Upkeep of Guest House/ Field Hostel-2025

1st Khurja

2nd Pipalkoti

सतर्कता विभाग, खुर्जा ने किया कार्यशाला का आयोजन

निवारक सतर्कता (Preventive Vigilance) के अंतर्गत सतर्कता विभाग, खुर्जा द्वारा 08 जुलाई, 2025 को परियोजना में कार्यरत विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष एवं उनके अधीनस्त अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसका शीर्षक ''Preventive Vigilance: Procurement of Goods'' था। कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यपालक निदेशक (परियोजना), खुर्जा द्वारा दीप प्रज्ज्वलन करके किया गया। इस कार्यशाला में श्री मनोज पांडेय, अपर-महाप्रबंधक द्वारा प्रोक्योरमेंट के दौरान बरते जाने वाली सावधानियों, टीएचडीसी की प्रोक्योरमेंट पॉलिसी, सीवीसी के कार्य एवं जीएफआर के नियमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों द्वारा उठाए गए प्रोक्योरमेंट संबंधित विभिन्न मुद्दों का निराकरण भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री मोहित गोयल, प्रबंधक (सतर्कता,खुर्जा) द्वारा किया गया। इस कार्यशाला में श्री एन के भट्ट, अपर महाप्रबंधक, श्री पी के नौटियाल, उप महाप्रबंधक, श्री अरविंद यादव, उप महाप्रबंधक, श्री आर के यादव, उप महाप्रबंधक, श्री रमेश जायसवाल, उप महाप्रबंधक, श्री दिलीप द्विवेदी, वरिष्ठ प्रबंधक, श्री जितेंद्र सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक, श्री संजीव नौटियाल, प्रबंधक, श्री सूर्य नारायण सिंह, सहायक प्रबंधक, श्री नवीन वर्मा, सहायक प्रबंधक, श्री प्रभात कुमार, सहायक प्रबंधक आदि उपस्थित रहे।

खुर्जा परियोजना में श्रमिकों के लिए बीओसीडब्ल्यू एक्ट पंजीकरण शिविर लगाया गया

खुर्जा परियोजना में काम कर रहे श्रमिकों के लिए बीओसीडब्ल्यू (Building and Other Construction Workers Act) के अंतर्गत पंजीकरण के लिए 19 जुलाई, 2025 को एल एंड टी टाइम ऑफिस परिसर में शिविर लगाया गया। इसका उद्देश्य निर्माण क्षेत्र में लगे कामगारों को सरकार की कल्याणकारी सुविधाओं से जोड़ना है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के लिए निम्नलिखित योजनाएं चलाई जा रही हैं। जैसे शिशु, मातृत्व एवं बालिका सहायता योजना, संत रविदास शिक्षा प्रोत्साहन योजना, अटल आवासीय विद्यालय योजना, कन्या विवाह सहायता योजना, निर्माण कामगार मृत्यु एवं दिव्यांगता सहायता योजना और आपदा राहत सहायता योजना। इन योजनाओं का लाभ उठाने के लिए बीओसीडब्ल्यू अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकरण कराना अत्यंत आवश्यक है।

पंजीकरण के उपरांत श्रमिक भारत सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ ले सकते हैं। पंजीकृत कामगारों को नियमित अवकाश, जीवन बीमा, बच्चों एवं उनके परिवार को शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं का लाभ मिल सकेगा। बीओसीडब्ल्यू पोर्टल पर उपलब्ध विभिन्न कल्याण सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए बुलंदशहर के श्रम विभाग के साथ टीएचडीसी की मानव संसाधन की टीम पूरी तरह सहयोग कर रही है। बुलंदशहर के कार्यवाहक श्रम आयुक्त ने इस कार्य के लिए अपनी शुभकामनाएं व्यक्त की।

पंजीकरण के शुरुआत के अवसर पर मानव संसाधन एवं प्रशासन विभाग से श्री दिलीप कुमार द्विवेदी (वरिष्ठ प्रबंधक), श्री सूर्य नारायण सिंह (सहायक प्रबंधक) एवं श्री प्रभात कुमार (सहायक प्रबंधक, जनसंपर्क) प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। परियोजना प्रमुख श्री कुमार शरद ने इसे श्रमिकों के हित में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

संघर्ष जितना बड़ा होगा, जीत उतनी ही शानदार होगी।
The greater the struggle, the more glorious the victory.

Building Resilience in the Hills: Symposium Showcases Advanced Geotechnical Techniques

Dr. Niraj Kumar Agrawal
GM, Design (Civil)
Rishikesh

Sh. Avkesh Kumar
Sr. Manager, Design (Civil)
Rishikesh

Synopsis

THDC India Limited is actively providing consultancy services for slope stabilization and landslide treatment works across several Indian states (8Nos) and supporting agencies like MoRTH, NHAI, NHIDCL and State PWDs including Shrine Boards of Shri Mata Vaishno Deviji & Shri Amarnathji. The Design (Civil) Deptt. is simultaneously working on 958 referred locations. Out of these, DPRs for 556 sites have already been submitted, some of them are currently under execution. Additionally, several others are in various stages of preparation. The consultancy segment has shown strong growth, with revenue rising from ₹10.08 crore in 2021–22 to ₹26.24 crore in 2024–25 and projected to reach ₹29 crore in 2025–26.

Symposium

In recent development, a symposium highlighted cutting-edge geotechnical techniques aimed at enhancing resilience in hilly terrains was held at Hotel The Grand, Vasant Kunj, on 29th May ‘2025, where experts from across the nation and beyond convened for a high-impact symposium on “Advanced Geotechnical Techniques for Natural Hazard Mitigation in Hilly Terrain.” Organized by Geobrugg India in association with the Ministry of Road Transport and Highways (MoRTH), the gathering represented a crucial moment in India's ongoing commitment to safeguarding its mountainous regions. The event fostered collaboration and knowledge sharing, paving the way for innovative solutions to address the challenges posed by natural hazards in hilly terrains.

The day began with an inspiring keynote address by Shri Nitin Gadkari, Honourable Union Minister of Road Transport & Highways, who emphasized the need for future-ready infrastructure and praised the role of innovation in disaster prevention. His speech set the tone for a series of enriching technical sessions that followed, engaging attendees in thoughtful discussions and insights on advancing geotechnical techniques.

Distinguished speakers representing Swiss and Austrian geotechnical firms, alongside representatives from THDC, NHAI, NHIDCL and MoRTH, delivered presentations covering a spectrum of topics on advanced geotechnical techniques in slope stabilization and rockfall protection. The exchange of ideas highlighted the value of cross-border collaboration in addressing the unique challenges posed by India's hilly terrains. The event shared a determination among engineers, policymakers, and researchers to transform learning into action.

Sh. Avkesh Kumar, Sr. Manager from the Design (Civil) Department at THDC India Limited, participated in the event and delivered a keynote presentation titled "Integrated Approach and Design Methodology on Cost Effective & Long-Term Control Measures for Landslide Zones." The design aspect of resilient measures/ structures significantly contributed to the discussions surrounding effective strategies in managing landslide-prone areas.

As discussions came to a close, the symposium left attendees not only more informed but also empowered. With advanced geotechnical innovations, the road to a safer, more resilient future appears firmly under construction.

Business/ Financial Benefits to THDC with such events: To remain competitive, it is crucial to continually update knowledge and endorse state-of-the-art technologies and innovation. THDC has attracted attention from government departments and agencies regarding landslide treatments and several initiatives undertaken in this field. Consequently, this knowledge-sharing program has had a positive impact on developers, executors, and planners associated with THDC. The trust built through these interactions could lead to the extension of existing MoUs, the establishment of new ones, or project referrals from government bodies to THDC.

खुर्जा उच्च ताप विद्युत परियोजना में सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया

खुर्जा परियोजना में 04 जुलाई से 19 जुलाई, 2025 तक श्रमिकों को जागरूक करने के लिए 15 दिवसीय सुरक्षा सारथी मोबाइल वैन जागरूकता अभियान चलाया गया| इस अभियान का शुभारंभ परियोजना प्रमुख श्री कुमार शरद, कार्यपालक निदेशक (परियोजना) ने दिनांक 04 जुलाई, 2025 को हरी झंडी दिखा कर किया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य परियोजना परिसर में कार्यरत श्रमिकों को कार्यस्थल पर सुरक्षा नियमों के पालन हेतु प्रेरित करना है।

इस अभियान के तहत परियोजना में कार्यरत श्रमिकों को एक विशेष रूप से सुसज्जित मोबाइल वैन में एलईडी स्क्रीन पर ऑडियो-विजुअल माध्यम से सुरक्षा उपकरणों (हेलमेट, सेफ्टी शूज, सेफ्टी बेल्ट, सेफ्टी जैकेट) के सही उपयोग के बारे में बताया गया। इस अभियान के माध्यम से ऊंचाई पर कार्य करने के दौरान सुरक्षा, विद्युत सुरक्षा, क्रेन संचालन और सामग्री उठाने के दौरान सावधानियां, सीमित स्थानों में प्रवेश की प्रक्रिया, हाउसकीपिंग, आपातकालीन तैयारी, अग्नि सुरक्षा, रासायनिक सुरक्षा और परियोजना स्थल पर वाहन एवं यातायात सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों के बारे में श्रमिकों को जागरूक किया गया।

सुरक्षा अभियान के तहत ऑडियो-विजुअल माध्यम से श्रमिकों को सुरक्षा के महत्व तथा संभावित जोखिमों के संबंध में भी जागरूक किया गया। इस अभियान में खुर्जा परियोजना में कार्यरत श्रमिक, कर्मचारी, उप ठेकेदार एवं अन्य सहयोगी स्टाफ शामिल हुए।

परियोजना प्रमुख श्री कुमार शरद, कार्यपालक निदेशक (परियोजना) ने अपने संबोधन में कहा कि "हमारा उद्देश्य केवल विद्युत उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि हम कार्यस्थल पर 'शून्य दुर्घटना' के लक्ष्य की ओर निरंतर अग्रसर हैं। यह अभियान इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।" कार्यक्रम के समापन समारोह में परियोजना प्रमुख ने सभी कर्मचारियों से अपील की कि वे 'सुरक्षा पहले' (Safety First) के सिद्धांत को अपने कार्य व्यवहार का अभिन्न हिस्सा बनाएं। इस अभियान को सफल बनाने में सुरक्षा विभाग के श्री विजय बिष्ट (उप महाप्रबंधक), श्री एच.एस. चौहान (सहायक प्रबंधक) एवं श्री प्रवीण तिवारी (एचएसई अधिकारी) की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

खुर्जा परियोजना में किया गया हेल्थ टॉक का आयोजन

खुर्जा परियोजना में कार्यरत समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए 25 जुलाई, 2025 को हेल्थ टॉक का आयोजन किया गया। इस चर्चा का मुख्य विषय 'मधुमेह कारण एवं निवारण' था। हेल्थ टॉक के दौरान मधुमेह के प्रमुख प्रकार: टाइप 1 एवं टाइप 2 के बीच के अंतर को समझाया गया। मुख्य वक्ता डॉ इस्लाम ने मधुमेह के सामान्य लक्षण जैसे बार-बार प्यास लगना, बार-बार पेशाब आना, थकान महसूस होना, वजन कम होना, घाव का धीरे भरना, दृष्टि में धुंधलापन आदि के बारे में बताया। उन्होंने मधुमेह से बचाव के उपाय के तौर पर संतुलित और पौष्टिक आहार लेना, नियमित रूप से व्यायाम करना, वजन को नियंत्रित रखना, समय-समय पर ब्लड शुगर की जांच करवाना, तनाव को नियंत्रित रखना आदि के बारे में भी जानकारी दी। इस कार्यक्रम को आयोजित कराने में जनसंपर्क एवं मानव संसाधन एवं प्रशासन विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

लेडीज़ क्लब

लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन ऋषिकेश 'तेजस्विनी' द्वारा हरियाली तीज का आयोजन

लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन ऋषिकेश 'तेजस्विनी' द्वारा 22 जुलाई, 2025 को एसोसिएशन की मुख्य संरक्षिका श्रीमती चंचल विश्नोई, संरक्षिका श्रीमती मनु शिखा गुप्ता एवं संरक्षिका श्रीमती पूजा गर्ग के स्नेहिल मार्गदर्शन एवं उपस्थिति में हरियाली तीज का त्योहार पारंपरिक उल्लास एवं आस्था के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ की गई।
सभी सदस्यों ने तीज विशेष तंबोला एवं मजेदार गेम्स का आनंद लिया। इस सांस्कृतिक उत्सव में तीज क्वीन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें सभी सदस्याओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। तीज क्वीन का खिताब क्लब की सदस्या श्रीमती आकांक्षा शर्मा ने अपने नाम किया। 1st Runner-up श्रीमती सरला रावत एवं 2nd Runner-up श्रीमती सरिता जोशी रहीं। रंग-बिरंगे परिधान, गहनों की चमक और हाथों में रची हुई मेहंदी ने माहौल को बहुत ही मनोरम बनाया | साथ ही जुलाई माह में जन्में सभी सदस्यों का जन्मदिन उत्सव भी धूमधाम से मनाया गया।

तरंगिनी ऑफिसर्स महिला क्लब, टिहरी की सदस्याओं ने मनाया तीज का त्योहार

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, टिहरी की तंरगिनी ऑफिसर्स महिला क्लब की सदस्याओं द्वारा सावन महीने में तीज का त्योहार धूम-धाम से मनाया गया। इस हरियाली तीज महोत्सव की मुख्य अतिथि श्रीमती चंचल विश्नोई का तंरगिनी ऑफिसर्स महिला क्लब की अध्यक्षा श्रीमती विजया जोशी द्वारा गुलदस्ता प्रदान कर स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि महोदया द्वारा तंरगिनी ऑफिसर्स महिला क्लब की सभी सदस्याओं को हरियाली तीज की बधाई दी गई। इस दिन तंरगिनी ऑफिसर्स महिला क्लब की सदस्याओं ने सर्वप्रथम मेंहदी लगाई, 16 श्रृगांर कर रंग-बिरंगी चूड़ियां, बिन्दी धारण कर माता पार्वती एवं भगवान शिव की उपासना की एवं अपने परिवार की खुशहाली की कामना की। तत्पश्चात उन्होंने हरियाली तीज पर झूला झूलते हुए हरियाली के गीत गाए।
इस अवसर पर हरियाली तीज क्वीन का खिताब श्रीमती दीपा मित्तल ने जीता तथा प्रथम स्थान श्रीमती फरा, द्वितीय स्थान श्रीमती ज्योति मीणा एवं तृतीय स्थान श्रीमती प्रियंका ने प्राप्त किया। मुख्य अतिथि श्रीमती चंचल विश्नोई द्वारा तीज क्वीन का खिताब प्राप्त करने वाली सदस्याओं को पुरूस्कृत किया गया। साथ ही उन्होंने इस दिव्य और भव्य आयोजन के लिए तरंगिनी महिला ऑफिसर्स क्लब की सभी पदाधिकारियों एवं सदस्याओं को बधाई दी।
इस अवसर पर तरंगिनी ऑफिसर्स महिला क्लब की अध्यक्षा श्रीमती विजया जोशी, उपाध्यक्षा श्रीमती विभा सिंह, श्रीमती सुश्रुता त्रिपाठी, सचिव श्रीमती अमृता पंवार, कोषाध्यक्ष डॉ. दीपा मित्तल, श्रीमती सस्मिता शाहू, श्रीमती मीना मिश्रा, श्रीमती लता प्रसाद एवं तरंगिनी ऑफिसर्स महिला क्लब के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

मंजरी लेडीज़ क्लब, खुर्जा परियोजना द्वारा मनाया गया हरियाली तीज का त्योहार

खुर्जा परियोजना में मंजरी लेडीज़ क्लब द्वारा पारंपरिक पर्व हरियाली तीज को बड़े ही हर्षोल्लास एवं सांस्कृतिक उत्साह के साथ मनाया गया। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम राजस्थानी संस्कृति पर आधारित थी, जिसके अनुरूप कार्यक्रम स्थल को अत्यंत आकर्षक रूप से सजाया गया था। इस अवसर पर क्लब की महिलाओं के बीच मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें सभी सदस्याओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। साथ ही, कई प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। प्रतियोगिता में श्रीमती मंजू चौधरी को "तीज क्वीन" तथा श्रीमती औजस्वी सिंह को "रनर-अप" घोषित किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती अनुजा तिवारी के द्वारा किया गया।
इस अवसर पर पारंपरिक गीत-संगीत की सुंदर प्रस्तुतियां दी गईं तथा सदस्याओं ने लोकगीतों पर मनमोहक नृत्य भी किया। सभी विजेताओं को श्रीमती बिनिता शरद (अध्यक्षा, मंजरी लेडीज़ क्लब) द्वारा पुरस्कार एवं उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया। उन्होंने सभी को तीज पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि, "ऐसे आयोजन महिलाओं को आपस में जुड़ने, अपनी प्रतिभा प्रस्तुत करने तथा संस्कृति से जुड़े रहने का एक सुनहरा अवसर प्रदान करते हैं।" इस अवसर पर श्रीमती एकता त्यागी, श्रीमती ममता बिष्ट तथा अन्य सदस्याएं भी उपस्थित रहीं।

संघर्ष जितना बड़ा होगा, जीत उतनी ही शानदार होगी।
The greater the struggle, the more glorious the victory.

लेडीज़ क्लब

मंजरी लेडीज़ क्लब, खुर्जा द्वारा किया गया रेनकोट का वितरण

खुर्जा परियोजना में 25 जुलाई, 2025 को मंजरी लेडीज़ क्लब के तत्वावधान में एक सामाजिक सरोकार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान परियोजना में कार्यरत सभी सफाई कर्मियों में रेन कोट का वितरण किया गया। मंजरी लेडीज़ क्लब की सदस्याओं ने व्यक्तिगत रूप से सभी सफाई कर्मचारियों को रेन कोट प्रदान किए और उनके द्वारा दिन रात किए जा रहे सेवाकार्य की सराहना की।

क्लब की अध्यक्षा श्रीमती बिनीता शरद ने इस अवसर पर कहा कि सफाईकर्मी हमारे परिसर को स्वच्छ बनाए रखने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, अतः उनकी सुरक्षा और सुविधा का ध्यान रखना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। अधिकतर सफाईकर्मी अपने कार्य स्थल तक आने जाने के लिए बाइक का उपयोग करते हैं और रेन कोट उपलब्ध होने से वे बारिश में भीगने से बचेंगे। इस कार्यक्रम में मंजरी लेडीज़ क्लब की सभी सदस्याएं उपस्थित रहीं। सफाई कर्मचारियों ने इस पहल की सराहना की और क्लब के प्रति अपना आभार व्यक्त किया।

वीपीएचईपी में बाढ़ पूर्व चेतावनी प्रणाली (EFWS) का उद्घाटन

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की 444 मेगावाट की विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना (वीपीएचईपी) में 16 जुलाई, 2025 को आधुनिक बाढ़ पूर्व चेतावनी प्रणाली (Early Flood Warning System - EFWS) के कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का विधिवत उद्घाटन परियोजना प्रमुख, श्री अजय वर्मा द्वारा पूजा-अर्चना के उपरांत किया गया। इस अवसर पर सुरक्षा विभाग द्वारा EFWS की कार्यप्रणाली, संचालन प्रणाली और संभावित बाढ़ की स्थिति में इसकी उपयोगिता पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी गई। साथ ही, नियोजन विभाग द्वारा मॉनसून प्लान 2025 की तैयारियों को लेकर एक तकनीकी प्रस्तुति भी साझा की गई।

परियोजना प्रमुख, श्री अजय वर्मा ने इस अवसर पर कहा कि "टीएचडीसी, एक उत्तरदायी सार्वजनिक उपक्रम के रूप में, अपनी परियोजनाओं में कर्मचारियों, ठेकेदारों, एवं स्थानीय समुदायों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। यह आधुनिक बाढ़ चेतावनी प्रणाली हमें संभावित आपदा की स्थिति में पूर्व सूचना एवं त्वरित प्रतिक्रिया की क्षमता प्रदान करेगी, जिससे जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी।"

उन्होनें आपातकालीन रिसपॉन्स टीम के सभी सदस्यों को किसी भी आपातकालीन परिस्थिति में त्वरित, समन्वित और जिम्मेदार भूमिका निभाने का निर्देश दिया। इस महत्वपूर्ण आयोजन में श्री बी.एस. पुंडीर, अपर महाप्रबंधक (नियोजन एवं सुरक्षा), श्री संजय ममगाईं, अपर महाप्रबंधक (यांत्रिक/जल यांत्रिक), श्री एस.पी. डोभाल, अपर महाप्रबंधक (विद्युत गृह), श्री कमल नौटियाल, उप महाप्रबंधक (सतर्कता), श्री वी.डी. भट्ट, वरिष्ठ प्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन), श्री विनय कुमार शील, वरिष्ठ प्रबंधक (नियोजन), श्री पी. एन. ममगाईं, प्रबंधक (सुरक्षा) सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहें।

वीपीएचईपी में स्थापना सप्ताह के अंतर्गत खेल प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन

वीपीएचईपी में निगम के 38वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 07 जुलाई से 09 जुलाई, 2025 तक विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस आयोजन में परियोजना के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं तकनीकी इकाइयों के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिताओं की शुरुआत 07 जुलाई को वॉलीबॉल मैच के साथ हुई, जिसका उद्घाटन परियोजना प्रमुख श्री अजय वर्मा (मुख्य महाप्रबंधक) ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर एवं शुभकामनाएं देते हुए किया। इसके पश्चात बैडमिंटन (सिंगल्स एवं डबल्स) के मुकाबले आयोजित किए गए, जिनमें विभिन्न विभागों के प्रतिभागियों ने भाग लिया और शानदार प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर श्री अजय वर्मा ने कहा, “खेल न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करते हैं, बल्कि संगठनात्मक संस्कृति में सहयोग, सामूहिकता और प्रतिस्पर्धात्मक ऊर्जा का संचार भी करते हैं। टीएचडीसी सदैव ही कार्यस्थल को सकारात्मक, समावेशी और प्रेरणादायी बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध रहा है।” प्रतियोगिता के दौरान बैडमिंटन सिंगल्स में श्री कमल मेहता (सहायक अभियंता, पावर हाउस) विजेता रहे, जबकि श्री आदर्श कुशवाहा (सहायक प्रबंधक, विद्युत एवं संचार) उपविजेता रहे। डबल्स केटेगरी मुकाबले में श्री सतेन्द्र कुंवर (सहायक अभियंता, टीबीएम) एवं श्री रवीन्द्र रावत (जेई, बांध) की जोड़ी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि श्री डी एस पंचपाल (वरिष्ठ प्रबंधक, बीएंडआर) एवं श्री कमल मेहता (सहायक अभियंता, पावर हाउस) उप विजेता रहे।

वॉलीबॉल प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ी: श्री सुरेन्द्र रावत – जूनियर इंजीनियर, टीबीएम, श्री अजय राणा – जूनियर इंजीनियर, बांध, श्री ललित रावत – गुणवत्ता नियंत्रण, फील्ड इंजिनियर, श्री नरेश जोशी – जूनियर इंजीनियर, नियोजना, श्री प्रवीण हटवाल – चालक, अस्पताल, श्री मनोज पन्त – परिचारक, प्रशासन, श्री विनीत कुमार यादव – अभियंता प्रशिक्षु, विद्युत एवं संचार एवं श्री दीपक शाह – सहायक, प्रशासन |

उपविजेता टीम: श्री आदर्श कुशवाहा – सहायक प्रबंधक, विद्युत एवं दूरसंचार, श्री नवीन मटियाल – जूनियर तकनीशियन, विद्युत एवं दूरसंचार, श्री अंकुश वर्मा – अभियंता, बांध, श्री अविनाश हप्पल – एफटीबी, विद्युत एवं दूरसंचार, श्री दीपक – फील्ड इंजिनियर, टीबीएम, श्री हेमांशु चन्दन – फील्ड इंजिनियर, नियोजन, श्री राजीव – जूनियर तकनीशियन, विद्युत एवं दूरसंचार एवं श्री कार्तिक राणा – अभियंता प्रशिक्षु, विद्युत एवं संचार।

विजेताओं को 12 जुलाई 2025 को आयोजित स्थापना दिवस समापन समारोह में महाप्रबंधक (टीबीएम/सामाजिक एवं पर्यावरण) श्री के.पी. सिंह तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सम्मानित किया गया।

वीपीएचईपी द्वारा बहु-एजेंसी मॉक ड्रिल आयोजित, आपात स्थिति से निपटने की तैयारियों का परीक्षण

वीपीएचईपी में 15 जुलाई, 2025 को एक बहु-एजेंसी मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। यह अभ्यास परियोजना की पावर हाउस सुरंग में किया गया, जिसका उद्देश्य हाल ही में स्थापित प्रारंभिक बाढ़ चेतावनी प्रणाली (ईएफडब्ल्यूएस) की कार्यक्षमता का परीक्षण करना और किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने हेतु विभिन्न एजेंसियों की तैयारियों को परखना था। मॉक ड्रिल में सुरंग के अंदर बाढ़ जैसी स्थिति का सजीव चित्रण किया गया। इस दौरान सुरंग में कार्य कर रहे श्रमिकों को टीआरटी एडिट मार्ग से सुरक्षित बाहर निकाला गया।

इस अभ्यास में सीआईएसएफ (25 कार्मिक), एनडीआरएफ (25), एसडीआरएफ (7), डीडीआरएफ (7), स्थानीय पुलिस (2), टीएचडीसी कर्मचारी (15), एचसीसी (5) और परियोजना के सुरक्षा एवं चिकित्सा विभागों की सक्रिय भागीदारी रही। मॉक ड्रिल के दौरान क्षेत्र का घेराव, खोज, बचाव, निकासी तथा चिकित्सा सहायता जैसी सभी गतिविधियां सुचारु रूप से क्रियान्वित की गईं। संचार प्रणाली और सुरक्षा उपकरणों की कार्यक्षमता की सफलतापूर्वक जांच की गई। प्रवेश द्वार पर रखे गए हेड काउंट सिस्टम का मिलान एसेम्बली पॉइंट पर सत्यापन किया गया। इस अभ्यास का पर्यवेक्षण परियोजना प्रमुख श्री अजय वर्मा (मुख्य महाप्रबंधक, परियोजना), श्री पी.एस. रावत (अपर महाप्रबंधक, पावर हाउस), तथा श्री बी.एस. पुंडीर (अपर महाप्रबंधक, नियोजन एवं सुरक्षा) सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किया गया। मॉक ड्रिल का समन्वयन परियोजना के सुरक्षा विभाग द्वारा किया गया, जिसमें श्री पी.एन. ममगाईं (उप प्रबंधक, सुरक्षा) एवं श्री पंकज भट्ट (फील्ड ऑफिसर, सुरक्षा) ने प्रमुख भूमिका निभाई। अभ्यास के उपरांत सीआईएसएफ के उप कमांडेंट श्री विश्वनाथ अवूति ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए मॉक ड्रिल के उद्देश्यों की जानकारी दी। इसके साथ ही एनडीआरएफ टीम ने उपस्थित कर्मचारियों को प्राथमिक बचाव उपकरणों एवं तत्कालीन प्रतिक्रिया तकनीकों के बारे में जागरूक किया।

संघर्ष जितना बड़ा होगा, जीत उतनी ही शानदार होगी।
The greater the struggle, the more glorious the victory.

Beyond the Desk

A Journey from “Volts to Volume” and from “Turbine pit to Power grid” – an insight into Electrical Engineering

Sh. Vipul Vishwakarma
Asst. Manager (MPS)
Rishikesh

Introduction:

An Electrical Engineer has always been intertwined with the colossal world of Civil Engineering, especially in hydro power. It's a fascinating dance and battle between immense forces of nature and the precise control of electricity. While my core expertise lies in electrons and circuits, building a hydro plant requires a deep appreciation, & often a working knowledge of concrete, steel, geology, stress and strain.

Initially, the sheer scale of civil engineering structures was intimidating. The challenge of understanding how a dam, hundreds of meters high, withstands the incredible pressure of a reservoir, or how a turbine's massive weight is transferred through a powerhouse structure to the bedrock below, how an arch dam can hold that much amount of water and how it has been built.

Perspective of an Electrical Engineer about Civil Engineering in Hydro Power:

Despite our primary focus on electrical systems, we found that the most effective way to learn was through direct collaboration with civil engineers. Sitting with them, talking and asking "why" and "how" questions, and visiting construction sites has helped us visualize complex theoretical concepts. Our goal wasn't to become a civil engineer, but to focus on the interfaces where our disciplines meet.

At a hydro power plant, the civil engineer's grandest creation is undeniably the Dam and reservoir, a monumental structure holding back millions of cubic meters of water. Our role here, from an electrical perspective, involves understanding the water flow calculations and how the dam's height directly translates to the potential energy needed to spin our turbines.

This also extends to understanding how the crucial intake structures are designed to channel water efficiently into the penstocks (massive steel pipes). While civil engineers meticulously design their supports and anchors to withstand immense water pressure, we need to know their dimensions to accurately calculate water velocity, which directly influences turbine speed and ultimately, generator output. All this leads to the Powerhouse, where the real magic of converting water's kinetic energy into electricity unfolds. This complex civil structure houses our turbines, generators, control rooms, and all the essential auxiliary equipment. Civil engineers ensure proper clearances, drainage, and access, while we specify crucial aspects like space requirements, conduit sizes, and earthing provisions.

Inside Our Domain: The Electrical Heart of Hydro

Within this substantial Civil framework, our own electrical world truly comes alive. The turbine, while primarily a mechanical marvel, has its speed directly tied to the frequency of the electricity generated; Our detailed and complicated control systems monitor and regulate its gates to maintain that crucial constant speed, ensuring a stable power output. Then there's the stator, the stationary heart of the generator, containing the vital windings that produce electricity as the rotor (its rotating counterpart, often equipped with powerful electromagnets) spins within it. The rotor's spinning motion induces current, and our responsibility includes its excitation system, which supplies the DC current to create the necessary magnetic field. From the generator, electricity moves to the transformers, which we specify for their ratings, cooling methods, and protection schemes; these step up the voltage for long-distance transmission, significantly minimizing energy loss. Finally, the switchgear and protection systems (relaying schemes, circuit breakers, and complex control logic) act as the "brains" of the entire electrical operation to safeguard the equipment from faults and ensure a reliable, controlled flow of power to the grid.

Conclusion:

The synergy among Electrical, Mechanical and Civil Engineering is necessary for the successful operation of a hydropower plant. Understanding the very complicated connections between these disciplines ensures the efficient and reliable generation of electricity from the immense forces of nature.

भावभीनी विदाई एवं सुखद भविष्य की शुभकामनाएं

Sh. R. C. Bahuguna
CGM (Law & Arbitration)
Rishikesh
DOR: 31-07-2025

Sh. R. C. Bahuguna superannuated from THDC India Limited on 31st July 2025, concluding a distinguished career spanning over three decades. He began his journey in 1990 with the Quality Control Department at the Tehri Project, contributing to key activities like dam fill placement and cofferdam construction until 1996. From 1997 to 2011, he played a significant role in the Power House construction and contract operations, also serving as Technical Secretary to the GM, Tehri Project.

Between 2011 and 2013, he was part of the Strategic Planning Division in NCR, helping shape organizational initiatives. From 2013 to 2015, he served in the Corporate Contracts Department, contributing to the civil works award for the Vishnugad-Pipalkoti HEP.

In his final decade, Sh. Bahuguna worked in the Corporate Legal & Arbitration Department, handling major arbitration cases and high-level litigations, safeguarding THDCIL's legal interests with dedication and integrity. His invaluable contributions will always be remembered.

श्री गोपाल राम डोभाल
उप महाप्रबंधक (इलेक्ट्रिकल)
सिंगरौली
सेवानिवृत्ति: 31-07-2025

श्री बलबीर सिंह गुसाईं
वरिष्ठ प्रबंधक (डैम)
पीपलकोटी
सेवानिवृत्ति: 31-07-2025

श्री एस. एस. रांगड़
अधिकारी (विधि एवं मध्यस्थता)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 31-07-2025

श्री दिवान सिंह नेगी
अधिकारी (सेवाएं)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 31-07-2025

श्री बलबीर सिंह रावत
कनिष्ठ अधिशासी (विद्युत), सर्विसेज़
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 31-07-2025

श्री राम सिंह सजवाण
वरिष्ठ कुक (मा. सं. एवं प्रशा.)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 31-07-2025

Designed In-house by Corporate Communication Department, Rishikesh

डॉ. ए.एन. त्रिपाठी, मुख्य महाप्रबंधक (मा.सं-प्रशा. एवं जनसंपर्क) द्वारा टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के लिए गंगा भवन, प्रगतिपुरम, बाईपास रोड, ऋषिकेश- 249201 (उत्तराखंड) से प्रकाशित
फ़ोन: 0135-2473504, वेबसाइट: www.thdc.co.in, ईमेल: prthdcil@gmail.com & hj.thdc@gmail.com
गृह पत्रिका/न्यूज लेटर में प्रकाशित लेखों/रचनाओं में व्यक्त किए गए विचार लेखकों के अपने हैं और उनसे टीएचडीसीआईएल प्रबंधन का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
(नि:शुल्क आंतरिक वितरण के लिए)

संघर्ष जितना बड़ा होगा, जीत उतनी ही शानदार होगी।
The greater the struggle, the more glorious the victory.